Adda247 GET IT ON Google Play

प्राथमिक शिक्षक संगीत -गायन वादन

इकाई क्र. 01

- भारतीय संगीत के इतिहास का विस्तृत अध्ययन एवं संगीत के ऐतिहासिक ग्रंथो की जानकारी।
    1. अति प्राचीन काल (वैदिक काल)
    2. प्राचीन काल।
    3. मध्यकाल।
    4. आधुनिक काल।
- मुख्य ग्रंथ – भरत कृत नाट्यशास्त्र, नारदीय शिक्षा, संगीत मकरंद, गति गोविन्द, शारेगदेव कृत, संगीत रत्नाकर, अहोबल, कृत संगीत पारिजात, व्यंकत्मुखी कृत चतुर्दण्ड प्रकाशिका।

इकाई क्र. 2 - ध्वनि विज्ञान एवं स्वर-शास्त्र की जानकारी

- ध्वनि, ध्वनि के प्रकार
- ध्वनि की उत्पति की विस्तृत जानकारी।
- नाद, नाद के भेद, नाद की विशेषताएं
- शुद्ध एवं विकृत स्वरों की आंदोलन संख्या की जानकारी।

इकाई क्र.3 -संगीत के आधारभूत पारिभाषिक शब्दों का ज्ञान -

- संगीत, संगीत की पद्धतियाँ, श्रुति, स्वर एवं स्वर के सप्तक व सप्तक के प्रकार ठाठ (थाट), अलंकार, राग, आरोह, अवरोह, पकड़, वादी,संवादी ,विवादी, अनुवादी, राग की जातियाँ, आलाप, तान, , बोलतान, मींड सूत, धसीट, कण, खटका, मुर्की, गमक, गत (मसीत खानी, रजाखानी, स्थायी, अंतरा)

इकाई क्र. 4. -हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति के 10 (दस) ठाठ व उनका स्वर- विवरण

दस ठाठों का ज्ञान व स्वर विवरण :-

1. कल्याण,	2. बिलावल,	3. खमाज,	4. कॉफी,	5. भेरव,
6. मारवा	7. आसावरी	8. पूर्वी,	9. भैरवी	10. तोड़ी

इकाई क्र. 5 - रागों का विस्तृत ज्ञान (सैद्धांतिक व क्रियात्मक ज्ञान)

- कल्याण ठाठ :– यमन, केदार, भूपाली
- बिलावल ठाठ:- बिलावल, बिहाग, दुर्गा
- खमाज ठाठ :- खमाज, तिलक कामोद, देश
- काफी ठाठ :- बागेश्री, भीमपलासी, काफी

भैरव ठाठ – भैरव, कालिंगड़ा, अहीर भैरव।

- मारवा ठाठ – मारवा राग
- आसावरी ठाठ :- आसावरी राग
- पूर्वी ठाठ :- पूर्वी राग
- भैरवी ठाठ – भैरवी राग
- तोड़ी ठाठ :- तोड़ी राग

इकाई क्र. 6 - स्वरलिपि एवं ताल लिपि, पद्धति -

- पं. विष्णु नारायण भातखंड़े एवं
- पं० विष्णु दिगम्बर पलुस्कर की स्वरलिपि व तालिपि पद्धतियों का विस्तृत ज्ञान एवं तुलनामक अध्ययन

1. स्वर चिन्ह के आधार पर
2. सप्तक चिन्ह के आधार पर
3. स्वर मान के आधार पर
4. ताल लिपि के आधार पर
5. स्वर सौन्दर्य के आधार पर

इकाई क्र .7

- प्राचीन एवं आधुनिक पद्धतियों द्वारा श्रुति – स्वर का विस्तृत अध्ययन सारणा चतुष्व्यों का सामान्य ज्ञान
- प्राचीन एवं आधुनिक दोनों पद्धतियों द्वारा श्रुति स्वर का विभाजन
    - 22 (बाईस) श्रुतियो पर प्राचीन पद्धति से शुद्ध स्वरों की स्थापना।
    - 22 (बाईस) श्रुति पर आधुनिक पद्धति से 12 स्वरों (शुद्ध/विकृत) की स्थापना।

इकाई क्र. 8

- गायन और वादन शैलियों का विस्तृत ज्ञान-
    - निवद्ध व अनिवद्ध गान- ध्रुपद,धमार,ख्याल, टप्पा, तराना, ठुमरी, लक्षणगीत, सरगम गीत, होरी, दादरा, कव्वाली, गजल, भजन 'भजन, कीर्तन, लोकगीत, चित्रपट संगीत

इकाई क्र.-9

- ताल ज्ञान
    - ताल संबंधी पारिभाषिक जानकारी एवं ताल के दस प्राण
    - लय' , लय के प्रकार ताल सम, खाली, ताली (भरी), मात्रा, विभाग, आवर्तन, ठेका, टुकड़ा, ठाठ, दुगुन,तिगुन, चौगुन, तिहाई आदि।
    - तालों का विस्तृत ज्ञान (ठाठ,दुगुन, चौगुन सहित) दादरा,कहरवा,तीन ताल, एक ताल, झपताल,रूपक दीपचंदी, चौताल

इकाई क्र 10 -भारतीय वाद्ययंत्रों का परिचय , वर्गीकरण एवं उपयोगिता

- वाद्यों की श्रेणियाँ , श्रेणी अनुसार वाद्यों का वर्गीकरण व उनकी उपयोगिता
- श्रेणियाँ – तत- वितत, वाद्य – तानपुरा, सितार, वीणा , सारंगी, सरोद, गिटार, वायलिन आदि।
- सुषिर वाद्य- बाँसुरी, हार्मोनियम, क्लारनेट, शहनाई, बीन, शंख आदि।
- अवनाद वाद्य - तबला, ढोलक, मृदंग, ढोल, डमरू, नगाड़ा, खंजरी, पखावज, डफली आदि।
- धन वाय- जलतरंग, मंजीरा, झांझ, करताल, घुघरू आदि।

इकाई – 11- राग समय विभाजन –

पूर्व राग, उत्तर राग, पूर्वागवादी राग, उत्तरांग बादी राग

इकाई क्र 12 -रागों की लक्षणों की विस्तृत जानकारी (प्राचीन व आधुनिक)

- ग्रह, अंश, न्यास, अपन्यास, मंद्रात्व, तारंत्व, अल्पत्व, बहुत्व औड़व षाड़व।

इकाई क्र 13 - गायन एवं वादन के घरानों का विस्तृत ज्ञान-

- गायन - ग्वालियर, घराना, जयपुर घराना, पटियाला- (पंजाब) घराना, किराना घराना, आगरा घराना',
- वादन तबला - वाराणसी घराना, दिल्ली घराना, अजराड़ा घराना, लखनऊ घराना, पंजाब
- तंत्र वाद्य - मैहर घराना, सोनिया घराना |

इकाई क्र 14-गायक एवं वादक के गुणदोषों का विस्तृत अध्ययन

- जैसे - स्वर, श्रुति संबंधी
- गायन – कंठ संबंधी
- आवाज संबंधी,ताल संबंधी/लय संबंधी
- मुद्रा संबंधी
- अभ्यास संबंधी
- नियम संबंधी
- उच्चारण संबंधी

- श्वास (सांस)
- रस संबंधी
- भाव संबंधी अलाप, लय, ताल,
- वादन- लय, ताल, समय, स्वर, दृढता, लय , ध्वनि संतुलन, शास्त्र संबंधी

इकाई क्र 15-

- प्रचलित भारतीय वाद्य यंत्रों को मिलाने की जानकारी (ट्यूनिंग प्रोसेस)
- प्रचलित वाद्य यंत्रोंके अंग व वाद्य यंत्रों को मिलाने की जानकारी
  जैसे- तानपुरा, सितार, तबला, गिटार, ढोलक, वायलिन

इकाई क्र 16

- पाश्चात्य वाद्य यंत्रों एवं उनकी जानकारी
- सिन्वेसाइजर, पियानो, गिटार, कांगो वांगो, सेक्सोफोन, जैज, ड्रा माउथ आर्गन, आदि

इकाई क्र-17

- भारत के प्रसिद्ध संगीतज्ञों व उनका योगदान (गायन वादन) –
- विशेष संदर्भ- (म.प्र)
- तानसेन, बैजूबावरा पंडित विष्णुनारायण, उस्ताद फय्याज अलाउद्दीन खाँ, के समान भारतखण्डे, उस्ताद अलाउद्दीन खाँ, उस्ताद बड़े गुलाम अली खाँ, पंडित जसराज, पंडित जाकिर हुसैन, पंडित रविशंकर, पंडित ओमकार ठाकुर, पं. रविशंकर, हरीप्रसाद चौरसिया भीमसेन जोशी, किशोरी अमोणकर
- पार्श्व गायक – लता मंगेशकर, किशोर कुमार आदि

इकाई क्र - 18 - म.प्र. के विभिन्न अंचलों के लोकगीत (गायन/वादन) की विस्तृत जानकारी।

- जैसे - मालवी, निमाड़ी, बघेली, बुन्देलखण्डी

इकाई क्र. -19 संगीत के क्षेत्र में दिये जाने वाले प्रमुख प्रादेशिक (म.प्र) व राष्ट्रीय सम्मान , पुरूस्कार एवं संगीत समारोह की जानकारी-

जैसे - तानसेन सम्मान, कालीदास सम्मान, शिखर सम्मान,लतामंगेशकर सम्मान, कुमार गंधर्व सम्मान एवं अन्य समारोह – तानसेन समारोह, मैहर समारोह, आमिर खाँ समारो , कुमार गंधर्व समारोह व अन्य।

इकाई क्र – 20 -संगीत शिक्षण में कौशलात्मक विकास -

- स्वर ज्ञान, अलंकार, राग, ठाठ, ताल सम्बन्धी कौशलात्मक प्रश्न जैसे-
  - स्वर-समूहों के माध्यम से ठाठ व रागों की पहचान'
  - ताल के बोलों को पूरा करना
  - किसी ताल मे खाली, भरी, सम दिखाने का कौशल
  - स्वरलिपि व ताल लिपि में दुगुन, चौगुन, अष्टगुन करने का कौशल
  - स्वर समूह में स्वरों की संख्या के आधार पर राग की जाति पहचानना
  - स्वरों की प्रधानता के आधार पर पूर्वागवादी व उत्तरोग वादी राग की पहचानना व अन्य